राष्ट्रीय कृषि उन्नति मेला-2018 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के सजीव वेब प्रसारण का आयोजन किया।

बरेली 17 मार्च। आज भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर एवं केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में संयुक्त रूप से नईदिल्ली में राष्ट्रीय कृषि उन्नति मेला-2018 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के सजीव वेब प्रसारण का आयोजन किया। इस अवसर पर वैज्ञानिक-कृषक वार्तालाप का आयोजन भी किया गया। बरेली जिला के कोने-कोने से आये लगभग 1000 से अधिक किसानों, महिलाओं तथा संस्थान के छात्र, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने इस प्रसारण के दर्शक के रूप में भाग लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संतोष गंगवार थे। इसके अतिरिक्त बरेली के महापौर श्री उमेश गौतम, बरेली नगर के विधायक डाॅ अरूण कुमार, नवाबगंज के विधायक श्री केसर सिंह, मीरगंज के विधायक डाॅ.डी.सी. वर्मा, बहेड़ी के विधायक श्री छत्रपाल सिंह आदि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनने एवं राष्ट्रीय कृषि उन्नति मेला-2018 नई दिल्ली में कृषि उपकरणों, तकनीकों की जानकारी लेने के लिए बरेली के 200 किसान भी भाग ले रहे हैं।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा गहन रूचि देश के विकास में है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के कार्यकाल में खेत पर मृदा परीक्षण का कार्य किया जा रहा है। बेटी पढ़ाओं-बेटी बचाओ कार्यक्रम में सही तरीके से कार्य हो रहा है। इसके अतिरिक्त श्री गंगवार में हर घर में शौचालय, उज्जवला योजना, हर घर बिजली, राष्ट्रीय गोकुल मिशन की भी चर्चा की तथा कहा कि सन 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए हम सब मिलकर कार्य कर रहे हैं।

समारोह में महापौर श्री उमेश गौतम ने कहा कि भारत किसानों के देश के रूप में जाना जाता था। प्रधानमंत्री किसानों की ही बात करते हैं तथा उन्हीं समस्याओं पर चिंतन करते हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि वे स्वयं को किसी उद्योगपति से कम न समझें। नगर विधायक डाॅ अरूण कुमार ने किसानों को बधाई देते हुए कहा कि गेहूँ का न्यूनतम समर्थना मूल्य 1735 रूपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। किसानों को सब्सिडी का लाभ उठाना चाहिए। मीरगंज के विधायक डाॅ. डी.सी. वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हित के लिए राज्य में मत्स्य विश्वविद्यालय की स्थापना की जानी चाहिए। डाॅ. वर्मा ने किसानों को सलाह दी कि वे अपनी

आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ बागवानी, पशुपालन आदि भी करें। नबाबगंज के विधायक श्री केसर सिंह ने कहा कि किसानों को पहले आओ-पहले पाओं के आधार पर बीज और कृषि उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

संस्थान के निदेशक डा. आर के सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों के विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों, राष्ट्रीय कृषि उन्नति मेला के आयोजन, राइजिंग इंडिया जैसे कार्यक्रमों से कृषि के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा तथा सन् 2022 तक किसानों की आय अवश्य दोगुनी हो जायेगी।

इस अवसर पर किसान गोष्ठी भी आयोजित की गयी जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों ने किसानों के पशुओं से बीमारी से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दिये। इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा डा. महेश चन्द्र ने बताया कि बरेली से लगभग 200 किसान नई दिल्ली मंे आयोजित कृषि मेला में भाग लेने गये हुए हैं।

कार्यक्रम का संचालन निदेशक के वैज्ञानिक सचिव डा. सत्यवीर सिंह मलिक द्वारा किया गया इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक शोध, डा. बी.पी. मिश्रा संयुक्त निदेशक, कैडराड डाॅ. वी.के. गुप्ता, संयुक्त निदेशक, शैक्षणिक डा. त्रिवेणी दत्त, संयुक्त निदेशक, प्रशासन डा. राकेश कुमार सहित संस्थान के विभागाध्यक्ष वैज्ञानिक छात्र एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।